Adda247 GET IT ON Google Play

SSC ONLINE EXAMINATION

CANDIDATE RESPONSE SHEET/GRIEVANCE SYSTEM

Exam Name	:	Combined Hindi Translators Examination
Test Date	:	12 Aug 2025
Test Time	:	09:00 AM

Correct Option selected Wrong Option selected Correct Option Not Answered

Click Here for PART-A Click Here for PART-B

PART-A (General Hindi)

Q.No: 1 निम्नलिखित में से कौन-सा वाक्य भारतीय हिंदी के स्थानीय संदर्भ में सबसे कम स्वाभाविक है?

मेरा मानना है कि यह निर्णय सही होगा।

मेरा यह विचार है कि यह निर्णय सही होगा।

मेरे द्वारा यह विश्वास किया जाता है कि यह निर्णय सही होगा।

मेरी यह राय है कि यह निर्णय सही होगा।

Q.No: 2 **दिए गए अनुच्छेद से उस पर आधारित प्रश्नों के उत्तर दें:**
विज्ञान और तकनीक ने मानव जीवन को अभूतपूर्व गति और सुविधा प्रदान की है। वह कार्य जो पहले घंटों में होते थे, अब मिनटों में पूरे हो जाते हैं। डिजिटल उपकरण, रोबोट, कृत्रिम बुद्धिमत्ता (AI), और मशीन लर्निंग जैसे नवाचारों ने हमारे जीवन को सरल तो बनाया है, लेकिन एक महत्वपूर्ण प्रश्न भी उठाया है—क्या इस तकनीकी प्रगति की चमक में हम अपनी संवेदनाओं की ऊष्मा को तो नहीं खो रहे?
आज के युग में निर्णय लेने की प्रक्रिया तेजी से मानवीय विवेक से हटकर एल्गोरिदम और डेटा के आधार पर होने लगी है। कृत्रिम बुद्धिमत्ता उन क्षेत्रों में प्रवेश कर रही है जहाँ पहले केवल मानवीय अनुभव, भावना और अंत:प्रज्ञा की आवश्यकता होती थी—जैसे चिकित्सा निर्णय, न्याय व्यवस्था, या यहां तक कि मानसिक परामर्श। ऐसे में प्रश्न यह उठता है कि क्या ये यंत्र उस भावनात्मक गहराई, सहानुभूति और नैतिकता को समझ सकते हैं जो एक मनुष्य की आत्मा का मूल गुण है? प्रौद्योगिकी की यह दौड़ निस्संदेह तेज़ है, परंतु यह उस आत्मिक धीमेपन को नहीं समझती जिसमें एक इंसान का मूल चरित्र विकसित होता है। जब निर्णय मात्र तर्क और आँकड़ों पर आधारित हो जाते हैं, तब करुणा, नैतिकता, सह-अस्तित्व जैसे मानवीय मूल्य गौण होने लगते हैं। समाज में जब संवेदनाएँ यंत्रों के हवाले कर दी जाती हैं, तो निर्णय भले ही कुशल हों, लेकिन उनमें आत्मा का अभाव होता है।
इसलिए यह आवश्यक है कि हम विज्ञान और तकनीक का उपयोग करें, पर अंधानुकरण न करें। हम यंत्रों से गति ले सकते हैं, पर दिशा अपने अंत:करण से ही चुननी होगी। तकनीक हमारी सेवा में होनी चाहिए, न कि हमारे विवेक और संवेदना को विस्थापित करने वाली शक्ति के रूप में।
सच यही है कि यदि हम तकनीक के साथ मानवता का संतुलन नहीं बनाएँगे, तो हम एक उन्नत समाज तो बन सकते हैं, पर एक सहृदय समाज नहीं।

गद्यांश के अनुसार तकनीकी प्रगति का सबसे बड़ा खतरा क्या है?

मनुष्य की रचनात्मकता में वृद्धि

मानवीय संवेदनाओं का क्षय

तकनीकी गति में कमी

डेटा संग्रहण की समस्या

Test Prime

ALL EXAMS, ONE SUBSCRIPTION

70,000+ Mock Tests

Personalised Report Card

Unlimited Re-Attempt

600+ Exam Covered

Previous Year Papers

500% Refund

ATTEMPT FREE MOCK NOW

Q.No: 3	**दिए गए अनुच्छेद से उस पर आधारित प्रश्नों के उत्तर दें:** विज्ञान और तकनीक ने मानव जीवन को अभूतपूर्व गति और सुविधा प्रदान की है। वह कार्य जो पहले घंटों में होते थे, अब मिनटों में पूरे हो जाते हैं। डिजिटल उपकरण, रोबोट, कृत्रिम बुद्धिमत्ता (AI), और मशीन लर्निंग जैसे नवाचारों ने हमारे जीवन को सरल तो बनाया है, लेकिन एक महत्वपूर्ण प्रश्न भी उठाया है—क्या इस तकनीकी प्रगति की चमक में हम अपनी संवेदनाओं की ऊष्मा को तो नहीं खो रहे? आज के युग में निर्णय लेने की प्रक्रिया तेजी से मानवीय विवेक से हटकर एल्गोरिदम और डेटा के आधार पर होने लगी है। कृत्रिम बुद्धिमत्ता उन क्षेत्रों में प्रवेश कर रही है जहाँ पहले केवल मानवीय अनुभव, भावना और अंतःप्रज्ञा की आवश्यकता होती थी—जैसे चिकित्सा निर्णय, न्याय व्यवस्था, या यहां तक कि मानसिक परामर्श। ऐसे में प्रश्न यह उठता है कि क्या ये यंत्र उस भावनात्मक गहराई, सहानुभूति और नैतिकता को समझ सकते हैं जो एक मनुष्य की आत्मा का मूल गुण है? प्रौद्योगिकी की यह दौड़ निस्संदेह तेज़ है, परंतु यह उस आत्मिक धीमेपन को नहीं समझती जिसमें एक इंसान का मूल चरित्र विकसित होता है। जब निर्णय मात्र तर्क और आँकड़ों पर आधारित हो जाते हैं, तब करुणा, नैतिकता, सह-अस्तित्व जैसे मानवीय मूल्य गौण होने लगते हैं। समाज में जब संवेदनाएँ यंत्रों के हवाले कर दी जाती हैं, तो निर्णय भले ही कुशल हों, लेकिन उनमें आत्मा का अभाव होता है। इसलिए यह आवश्यक है कि हम विज्ञान और तकनीक का उपयोग करें, पर अंधानुकरण न करें। हम यंत्रों से गति ले सकते हैं, पर दिशा अपने अंतःकरण से ही चुननी होगी। तकनीक हमारी सेवा में होनी चाहिए, न कि हमारे विवेक और संवेदना को विस्थापित करने वाली शक्ति के रूप में। सच यही है कि यदि हम तकनीक के साथ मानवता का संतुलन नहीं बनाएँगे, तो हम एक उन्नत समाज तो बन सकते हैं, पर एक सहृदय समाज नहीं। **"यंत्रों से गति लें, पर दिशा अंतःकरण से चुनें"** — इस वाक्य का अभिप्राय है:
यंत्रों को नियंत्रित करना असंभव है	
तकनीक से दिशा तय होती है	
तकनीक सहायक है, निर्णय मानवीय विवेक से होने चाहिए	
अंतःकरण अप्रासंगिक हो गया है	

Q.No: 4	**दिए गए अनुच्छेद से उस पर आधारित प्रश्नों के उत्तर दें:** विज्ञान और तकनीक ने मानव जीवन को अभूतपूर्व गति और सुविधा प्रदान की है। वह कार्य जो पहले घंटों में होते थे, अब मिनटों में पूरे हो जाते हैं। डिजिटल उपकरण, रोबोट, कृत्रिम बुद्धिमत्ता (AI), और मशीन लर्निंग जैसे नवाचारों ने हमारे जीवन को सरल तो बनाया है, लेकिन एक महत्वपूर्ण प्रश्न भी उठाया है—क्या इस तकनीकी प्रगति की चमक में हम अपनी संवेदनाओं की ऊष्मा को तो नहीं खो रहे? आज के युग में निर्णय लेने की प्रक्रिया तेजी से मानवीय विवेक से हटकर एल्गोरिदम और डेटा के आधार पर होने लगी है। कृत्रिम बुद्धिमत्ता उन क्षेत्रों में प्रवेश कर रही है जहाँ पहले केवल मानवीय अनुभव, भावना और अंतःप्रज्ञा की आवश्यकता होती थी—जैसे चिकित्सा निर्णय, न्याय व्यवस्था, या यहां तक कि मानसिक परामर्श। ऐसे में प्रश्न यह उठता है कि क्या ये यंत्र उस भावनात्मक गहराई, सहानुभूति और नैतिकता को समझ सकते हैं जो एक मनुष्य की आत्मा का मूल गुण है? प्रौद्योगिकी की यह दौड़ निस्संदेह तेज़ है, परंतु यह उस आत्मिक धीमेपन को नहीं समझती जिसमें एक इंसान का मूल चरित्र विकसित होता है। जब निर्णय मात्र तर्क और आँकड़ों पर आधारित हो जाते हैं, तब करुणा, नैतिकता, सह-अस्तित्व जैसे मानवीय मूल्य गौण होने लगते हैं। समाज में जब संवेदनाएँ यंत्रों के हवाले कर दी जाती हैं, तो निर्णय भले ही कुशल हों, लेकिन उनमें आत्मा का अभाव होता है। इसलिए यह आवश्यक है कि हम विज्ञान और तकनीक का उपयोग करें, पर अंधानुकरण न करें। हम यंत्रों से गति ले सकते हैं, पर दिशा अपने अंतःकरण से ही चुननी होगी। तकनीक हमारी सेवा में होनी चाहिए, न कि हमारे विवेक और संवेदना को विस्थापित करने वाली शक्ति के रूप में। सच यही है कि यदि हम तकनीक के साथ मानवता का संतुलन नहीं बनाएँगे, तो हम एक उन्नत समाज तो बन सकते हैं, पर एक सहृदय समाज नहीं। लेखक के अनुसार कृत्रिम बुद्धिमत्ता (AI) का कौन-सा क्षेत्र अत्यंत संवेदनशील है?
ऑनलाइन खरीददारी	
स्वचालित वाहन	
मानसिक परामर्श	
संगीत रचना	

Adda247

Adda247 GET IT ON Google Play

Q.No: 5	**दिए गए अनुच्छेद से उस पर आधारित प्रश्नों के उत्तर दें:** विज्ञान और तकनीक ने मानव जीवन को अभूतपूर्व गति और सुविधा प्रदान की है। वह कार्य जो पहले घंटों में होते थे, अब मिनटों में पूरे हो जाते हैं। डिजिटल उपकरण, रोबोट, कृत्रिम बुद्धिमत्ता (AI), और मशीन लर्निंग जैसे नवाचारों ने हमारे जीवन को सरल तो बनाया है, लेकिन एक महत्वपूर्ण प्रश्न भी उठाया है—क्या इस तकनीकी प्रगति की चमक में हम अपनी संवेदनाओं की ऊष्मा को तो नहीं खो रहे? आज के युग में निर्णय लेने की प्रक्रिया तेजी से मानवीय विवेक से हटकर एल्गोरिदम और डेटा के आधार पर होने लगी है। कृत्रिम बुद्धिमत्ता उन क्षेत्रों में प्रवेश कर रही है जहाँ पहले केवल मानवीय अनुभव, भावना और अंतःप्रज्ञा की आवश्यकता होती थी—जैसे चिकित्सा निर्णय, न्याय व्यवस्था, या यहां तक कि मानसिक परामर्श। ऐसे में प्रश्न यह उठता है कि क्या ये यंत्र उस भावनात्मक गहराई, सहानुभूति और नैतिकता को समझ सकते हैं जो एक मनुष्य की आत्मा का मूल गुण है? प्रौद्योगिकी की यह दौड़ निस्संदेह तेज़ है, परंतु यह उस आत्मिक धीमेपन को नहीं समझती जिसमें एक इंसान का मूल चरित्र विकसित होता है। जब निर्णय मात्र तर्क और आँकड़ों पर आधारित हो जाते हैं, तब करुणा, नैतिकता, सह-अस्तित्व जैसे मानवीय मूल्य गौण होने लगते हैं। समाज में जब संवेदनाएँ यंत्रों के हवाले कर दी जाती हैं, तो निर्णय भले ही कुशल हों, लेकिन उनमें आत्मा का अभाव होता है। इसलिए यह आवश्यक है कि हम विज्ञान और तकनीक का उपयोग करें, पर अंधानुकरण न करें। हम यंत्रों से गति ले सकते हैं, पर दिशा अपने अंतःकरण से ही चुननी होगी। तकनीक हमारी सेवा में होनी चाहिए, न कि हमारे विवेक और संवेदना को विस्थापित करने वाली शक्ति के रूप में। सच यही है कि यदि हम तकनीक के साथ मानवता का संतुलन नहीं बनाएँगे, तो हम एक उन्नत समाज तो बन सकते हैं, पर एक सहृदय समाज नहीं। लेखक का तकनीक के प्रति दृष्टिकोण कैसा है?
पूर्णतः विरोधात्मक	
केवल प्रशंसात्मक	
संतुलनवादी और विवेकपूर्ण	
अनावश्यक आशंका से ग्रस्त	

Q.No: 6	**दिए गए अनुच्छेद से उस पर आधारित प्रश्नों के उत्तर दें:** विज्ञान और तकनीक ने मानव जीवन को अभूतपूर्व गति और सुविधा प्रदान की है। वह कार्य जो पहले घंटों में होते थे, अब मिनटों में पूरे हो जाते हैं। डिजिटल उपकरण, रोबोट, कृत्रिम बुद्धिमत्ता (AI), और मशीन लर्निंग जैसे नवाचारों ने हमारे जीवन को सरल तो बनाया है, लेकिन एक महत्वपूर्ण प्रश्न भी उठाया है—क्या इस तकनीकी प्रगति की चमक में हम अपनी संवेदनाओं की ऊष्मा को तो नहीं खो रहे? आज के युग में निर्णय लेने की प्रक्रिया तेजी से मानवीय विवेक से हटकर एल्गोरिदम और डेटा के आधार पर होने लगी है। कृत्रिम बुद्धिमत्ता उन क्षेत्रों में प्रवेश कर रही है जहाँ पहले केवल मानवीय अनुभव, भावना और अंतःप्रज्ञा की आवश्यकता होती थी—जैसे चिकित्सा निर्णय, न्याय व्यवस्था, या यहां तक कि मानसिक परामर्श। ऐसे में प्रश्न यह उठता है कि क्या ये यंत्र उस भावनात्मक गहराई, सहानुभूति और नैतिकता को समझ सकते हैं जो एक मनुष्य की आत्मा का मूल गुण है? प्रौद्योगिकी की यह दौड़ निस्संदेह तेज़ है, परंतु यह उस आत्मिक धीमेपन को नहीं समझती जिसमें एक इंसान का मूल चरित्र विकसित होता है। जब निर्णय मात्र तर्क और आँकड़ों पर आधारित हो जाते हैं, तब करुणा, नैतिकता, सह-अस्तित्व जैसे मानवीय मूल्य गौण होने लगते हैं। समाज में जब संवेदनाएँ यंत्रों के हवाले कर दी जाती हैं, तो निर्णय भले ही कुशल हों, लेकिन उनमें आत्मा का अभाव होता है। इसलिए यह आवश्यक है कि हम विज्ञान और तकनीक का उपयोग करें, पर अंधानुकरण न करें। हम यंत्रों से गति ले सकते हैं, पर दिशा अपने अंतःकरण से ही चुननी होगी। तकनीक हमारी सेवा में होनी चाहिए, न कि हमारे विवेक और संवेदना को विस्थापित करने वाली शक्ति के रूप में। सच यही है कि यदि हम तकनीक के साथ मानवता का संतुलन नहीं बनाएँगे, तो हम एक उन्नत समाज तो बन सकते हैं, पर एक सहृदय समाज नहीं। गद्यांश के अनुसार समाज कब **"दिशा भटकने"** लगता है?
जब तकनीक सीमित हो जाए	
जब तकनीक महंगी हो जाए	
जब संवेदना मशीनों के हाथ में चली जाए	
जब ज्ञान की कमी हो	

Adda247

Adda247 GET IT ON Google Play

Q.No: 7	**दिए गए अनुच्छेद से उस पर आधारित प्रश्नों के उत्तर दें:** संध्या का समय था। घर में दीया जल चुका था, लेकिन रमा की आँखों में चिंता की लौ अभी बुझी नहीं थी। रमा एक विवाहित स्त्री थी, जो अपने पारिवारिक दायित्वों को न केवल निभा रही थी, बल्कि अपने अंदर एक गहरा मानवीय संवेदना का संसार भी सँजोए हुए थी। उसके घर में उसकी विधवा बहन कुसुम आई हुई थी—एक ऐसी स्त्री, जिसने पति की मृत्यु के बाद जीवन से सभी रंग खो दिए थे। कुसुम के चेहरे पर मौन, आँखों में गहन पीड़ा और शब्दों में रिक्तता थी। रमा इस स्थिति से व्याकुल थी। वह जानती थी कि समाज विधवा स्त्री को पुनः जीवन में स्थापित करने के पक्ष में नहीं खड़ा होता, लेकिन वह बहन को इस तरह टूटते हुए नहीं देख सकती थी। उसी समय रमा के मन में एक विचार उभरा—क्या वह अपने मंगलसूत्र को बेचकर बहन के भविष्य के लिए कुछ कर सकती है? यह मंगलसूत्र केवल एक गहना नहीं था, बल्कि रमा के लिए उसका सुहाग, उसकी पहचान और उसकी वैवाहिक अस्मिता की निशानी था। उसे बेच देना, स्वयं के अस्तित्व के एक भाग को छोड़ देने जैसा था। लेकिन रमा ने अपने हृदय की आवाज़ सुनी। उसने न किसी से पूछा, न किसी से सलाह ली—चुपचाप मंगलसूत्र बेचकर बहन के पुनर्विवाह की व्यवस्था कर दी। जब यह बात उसके पति को पता चली, तो आशंका थी कि वह क्रोधित होगा। पर प्रेमचंद ने यहाँ पुरुष पात्र को भी उदात्त बनाया है। पति ने रमा की ओर देखा, और गर्व से कहा—"तुमने मेरे नाम को आज सच्चे अर्थों में मंगलमयी बना दिया।" इस कथानक के माध्यम से प्रेमचंद यह दिखाते हैं कि नारी केवल भावुक नहीं, बल्कि निर्णयशील, विवेकशील और समाज-परिवर्तन की वाहक होती है। "मंगलसूत्र" प्रतीक बन जाता है उस बंधन का, जो केवल गले की डोरी नहीं, बल्कि आत्मिक निष्ठा, त्याग और संबंधों की गहराई से जुड़ा होता है। 'मंगलसूत्र' कहानी में मंगलसूत्र का क्या प्रतीकात्मक अर्थ है?
केवल एक पारंपरिक आभूषण	
पति की संपत्ति	
सामाजिक बंधन	
त्याग और नारी-समर्पण की भावना	

Q.No: 8	**दिए गए अनुच्छेद से उस पर आधारित प्रश्नों के उत्तर दें:** संध्या का समय था। घर में दीया जल चुका था, लेकिन रमा की आँखों में चिंता की लौ अभी बुझी नहीं थी। रमा एक विवाहित स्त्री थी, जो अपने पारिवारिक दायित्वों को न केवल निभा रही थी, बल्कि अपने अंदर एक गहरा मानवीय संवेदना का संसार भी सँजोए हुए थी। उसके घर में उसकी विधवा बहन कुसुम आई हुई थी—एक ऐसी स्त्री, जिसने पति की मृत्यु के बाद जीवन से सभी रंग खो दिए थे। कुसुम के चेहरे पर मौन, आँखों में गहन पीड़ा और शब्दों में रिक्तता थी। रमा इस स्थिति से व्याकुल थी। वह जानती थी कि समाज विधवा स्त्री को पुनः जीवन में स्थापित करने के पक्ष में नहीं खड़ा होता, लेकिन वह बहन को इस तरह टूटते हुए नहीं देख सकती थी। उसी समय रमा के मन में एक विचार उभरा—क्या वह अपने मंगलसूत्र को बेचकर बहन के भविष्य के लिए कुछ कर सकती है? यह मंगलसूत्र केवल एक गहना नहीं था, बल्कि रमा के लिए उसका सुहाग, उसकी पहचान और उसकी वैवाहिक अस्मिता की निशानी था। उसे बेच देना, स्वयं के अस्तित्व के एक भाग को छोड़ देने जैसा था। लेकिन रमा ने अपने हृदय की आवाज़ सुनी। उसने न किसी से पूछा, न किसी से सलाह ली—चुपचाप मंगलसूत्र बेचकर बहन के पुनर्विवाह की व्यवस्था कर दी। जब यह बात उसके पति को पता चली, तो आशंका थी कि वह क्रोधित होगा। पर प्रेमचंद ने यहाँ पुरुष पात्र को भी उदात्त बनाया है। पति ने रमा की ओर देखा, और गर्व से कहा—"तुमने मेरे नाम को आज सच्चे अर्थों में मंगलमयी बना दिया।" इस कथानक के माध्यम से प्रेमचंद यह दिखाते हैं कि नारी केवल भावुक नहीं, बल्कि निर्णयशील, विवेकशील और समाज-परिवर्तन की वाहक होती है। "मंगलसूत्र" प्रतीक बन जाता है उस बंधन का, जो केवल गले की डोरी नहीं, बल्कि आत्मिक निष्ठा, त्याग और संबंधों की गहराई से जुड़ा होता है। प्रेमचंद ने रमा के पति को किस दृष्टिकोण से चित्रित किया है?
रूढ़िवादी और कठोर	
उपेक्षापूर्ण और निष्क्रिय	
सहृदय और भावनात्मक रूप से परिपक्व	
आर्थिक रूप से निर्भर	

Adda247

Adda247 GET IT ON Google Play

Q.No: 9 **दिए गए अनुच्छेद से उस पर आधारित प्रश्नों के उत्तर दें:**
संध्या का समय था। घर में दीया जल चुका था, लेकिन रमा की आँखों में चिंता की लौ अभी बुझी नहीं थी। रमा एक विवाहित स्त्री थी, जो अपने पारिवारिक दायित्वों को न केवल निभा रही थी, बल्कि अपने अंदर एक गहरा मानवीय संवेदना का संसार भी सँजोए हुए थी। उसके घर में उसकी विधवा बहन कुसुम आई हुई थी—एक ऐसी स्त्री, जिसने पति की मृत्यु के बाद जीवन से सभी रंग खो दिए थे। कुसुम के चेहरे पर मौन, आँखों में गहन पीड़ा और शब्दों में रिक्तता थी।
रमा इस स्थिति से व्याकुल थी। वह जानती थी कि समाज विधवा स्त्री को पुनः जीवन में स्थापित करने के पक्ष में नहीं खड़ा होता, लेकिन वह बहन को इस तरह टूटते हुए नहीं देख सकती थी। उसी समय रमा के मन में एक विचार उभरा—क्या वह अपने मंगलसूत्र को बेचकर बहन के भविष्य के लिए कुछ कर सकती है?
यह मंगलसूत्र केवल एक गहना नहीं था, बल्कि रमा के लिए उसका सुहाग, उसकी पहचान और उसकी वैवाहिक अस्मिता की निशानी था। उसे बेच देना, स्वयं के अस्तित्व के एक भाग को छोड़ देने जैसा था। लेकिन रमा ने अपने हृदय की आवाज़ सुनी। उसने न किसी से पूछा, न किसी से सलाह ली—चुपचाप मंगलसूत्र बेचकर बहन के पुनर्विवाह की व्यवस्था कर दी।
जब यह बात उसके पति को पता चली, तो आशंका थी कि वह क्रोधित होगा। पर प्रेमचंद ने यहाँ पुरुष पात्र को भी उदात्त बनाया है। पति ने रमा की ओर देखा, और गर्व से कहा—"तुमने मेरे नाम को आज सच्चे अर्थों में मंगलमयी बना दिया।"
इस कथानक के माध्यम से प्रेमचंद यह दिखाते हैं कि नारी केवल भावुक नहीं, बल्कि निर्णयशील, विवेकशील और समाज-परिवर्तन की वाहक होती है। "मंगलसूत्र" प्रतीक बन जाता है उस बंधन का, जो केवल गले की डोरी नहीं, बल्कि आत्मिक निष्ठा, त्याग और संबंधों की गहराई से जुड़ा होता है।

रमा द्वारा मंगलसूत्र बेचना किस प्रकार का निर्णय है?

- सामाजिक विद्रोह
- धार्मिक अपमान
- निजी बलिदान और स्त्री सशक्तिकरण
- विधि-विरुद्ध कार्य

Q.No: 10 **दिए गए अनुच्छेद से उस पर आधारित प्रश्नों के उत्तर दें:**
संध्या का समय था। घर में दीया जल चुका था, लेकिन रमा की आँखों में चिंता की लौ अभी बुझी नहीं थी। रमा एक विवाहित स्त्री थी, जो अपने पारिवारिक दायित्वों को न केवल निभा रही थी, बल्कि अपने अंदर एक गहरा मानवीय संवेदना का संसार भी सँजोए हुए थी। उसके घर में उसकी विधवा बहन कुसुम आई हुई थी—एक ऐसी स्त्री, जिसने पति की मृत्यु के बाद जीवन से सभी रंग खो दिए थे। कुसुम के चेहरे पर मौन, आँखों में गहन पीड़ा और शब्दों में रिक्तता थी।
रमा इस स्थिति से व्याकुल थी। वह जानती थी कि समाज विधवा स्त्री को पुनः जीवन में स्थापित करने के पक्ष में नहीं खड़ा होता, लेकिन वह बहन को इस तरह टूटते हुए नहीं देख सकती थी। उसी समय रमा के मन में एक विचार उभरा—क्या वह अपने मंगलसूत्र को बेचकर बहन के भविष्य के लिए कुछ कर सकती है?
यह मंगलसूत्र केवल एक गहना नहीं था, बल्कि रमा के लिए उसका सुहाग, उसकी पहचान और उसकी वैवाहिक अस्मिता की निशानी था। उसे बेच देना, स्वयं के अस्तित्व के एक भाग को छोड़ देने जैसा था। लेकिन रमा ने अपने हृदय की आवाज़ सुनी। उसने न किसी से पूछा, न किसी से सलाह ली—चुपचाप मंगलसूत्र बेचकर बहन के पुनर्विवाह की व्यवस्था कर दी।
जब यह बात उसके पति को पता चली, तो आशंका थी कि वह क्रोधित होगा। पर प्रेमचंद ने यहाँ पुरुष पात्र को भी उदात्त बनाया है। पति ने रमा की ओर देखा, और गर्व से कहा—"तुमने मेरे नाम को आज सच्चे अर्थों में मंगलमयी बना दिया।"
इस कथानक के माध्यम से प्रेमचंद यह दिखाते हैं कि नारी केवल भावुक नहीं, बल्कि निर्णयशील, विवेकशील और समाज-परिवर्तन की वाहक होती है। "मंगलसूत्र" प्रतीक बन जाता है उस बंधन का, जो केवल गले की डोरी नहीं, बल्कि आत्मिक निष्ठा, त्याग और संबंधों की गहराई से जुड़ा होता है।

'मंगलसूत्र' में कुसुम का चरित्र किस सामाजिक समस्या का प्रतीक है?

- अशिक्षा
- विधवा स्त्रियों की उपेक्षा
- बाल विवाह
- बहुविवाह

Q.No: 11 **दिए गए अनुच्छेद से उस पर आधारित प्रश्नों के उत्तर दें:**

संध्या का समय था। घर में दीया जल चुका था, लेकिन रमा की आँखों में चिंता की लौ अभी बुझी नहीं थी। रमा एक विवाहित स्त्री थी, जो अपने पारिवारिक दायित्वों को न केवल निभा रही थी, बल्कि अपने अंदर एक गहरा मानवीय संवेदना का संसार भी सँजोए हुए थी। उसके घर में उसकी विधवा बहन कुसुम आई हुई थी—एक ऐसी स्त्री, जिसने पति की मृत्यु के बाद जीवन से सभी रंग खो दिए थे। कुसुम के चेहरे पर मौन, आँखों में गहन पीड़ा और शब्दों में रिक्तता थी।

रमा इस स्थिति से व्याकुल थी। वह जानती थी कि समाज विधवा स्त्री को पुनः जीवन में स्थापित करने के पक्ष में नहीं खड़ा होता, लेकिन वह बहन को इस तरह टूटते हुए नहीं देख सकती थी। उसी समय रमा के मन में एक विचार उभरा—क्या वह अपने मंगलसूत्र को बेचकर बहन के भविष्य के लिए कुछ कर सकती है? यह मंगलसूत्र केवल एक गहना नहीं था, बल्कि रमा के लिए उसका सुहाग, उसकी पहचान और उसकी वैवाहिक अस्मिता की निशानी था। उसे बेच देना, स्वयं के अस्तित्व के एक भाग को छोड़ देने जैसा था। लेकिन रमा ने अपने हृदय की आवाज़ सुनी। उसने न किसी से पूछा, न किसी से सलाह ली—चुपचाप मंगलसूत्र बेचकर बहन के पुनर्विवाह की व्यवस्था कर दी।

जब यह बात उसके पति को पता चली, तो आशंका थी कि वह क्रोधित होगा। पर प्रेमचंद ने यहाँ पुरुष पात्र को भी उदात्त बनाया है। पति ने रमा की ओर देखा, और गर्व से कहा—"तुमने मेरे नाम को आज सच्चे अर्थों में मंगलमयी बना दिया।"

इस कथानक के माध्यम से प्रेमचंद यह दिखाते हैं कि नारी केवल भावुक नहीं, बल्कि निर्णयशील, विवेकशील और समाज-परिवर्तन की वाहक होती है। "मंगलसूत्र" प्रतीक बन जाता है उस बंधन का, जो केवल गले की डोरी नहीं, बल्कि आत्मिक निष्ठा, त्याग और संबंधों की गहराई से जुड़ा होता है।

निम्न में से कौन-सा कथन 'मंगलसूत्र' कहानी की मूल संवेदना के विपरीत है?

नारी केवल गृहिणी नहीं, निर्णयकर्ता भी हो सकती है।

पति-पत्नी का संबंध विश्वास पर आधारित होता है।

मंगलसूत्र बेचने से नारी की मर्यादा घट जाती है।

संवेदनशीलता से ही समाज बदला जा सकता है।

Not Answered

Q.No: 12 **दिए गए अनुच्छेद से उस पर आधारित प्रश्नों के उत्तर दें:**

ब्लॉकचेन (Blockchain) एक डिजिटल प्रौद्योगिकी है, जिसमें सूचना को एक श्रृंखलाबद्ध ढंग से सुरक्षित रखा जाता है। यह डेटा संरचना किसी केंद्रीय सर्वर पर निर्भर नहीं होती, बल्कि यह विकेंद्रीकृत नेटवर्क पर आधारित होती है, जहाँ हर उपयोगकर्ता एक नोड के रूप में कार्य करता है। प्रत्येक लेन-देन एक "ब्लॉक" के रूप में दर्ज होता है और पिछले ब्लॉक से जुड़कर एक अखंड और पारदर्शी श्रृंखला बनाता है।

इस तकनीक का प्रमुख लाभ यह है कि इसमें एक बार दर्ज की गई जानकारी को बदला नहीं जा सकता, जिससे यह धोखाधड़ी-रोधी और भरोसेमंद प्रणाली बन जाती है। ब्लॉकचेन का उपयोग अब केवल क्रिप्टोकरेंसी तक सीमित नहीं है, बल्कि इसे चुनावी प्रणाली, आपूर्ति श्रृंखला प्रबंधन, स्वास्थ्य डेटा सुरक्षा, और डिजिटल पहचान जैसे क्षेत्रों में भी उपयोग किया जा रहा है।

हालांकि ब्लॉकचेन की संभावनाएँ असीम हैं, परंतु इससे जुड़ी तकनीकी जटिलता, ऊर्जा खपत, और नियामकीय अस्पष्टता इसके व्यापक प्रयोग में बाधा बन रही है। भारत सरकार भी अब ब्लॉकचेन आधारित पायलट प्रोजेक्ट्स पर कार्य कर रही है, ताकि यह तकनीक शासन और सार्वजनिक सेवाओं में पारदर्शिता और सुरक्षा ला सके।

ब्लॉकचेन तकनीक की कौन-सी विशेषता उसे धोखाधड़ी-रोधी बनाती है?

इसकी उच्च लागत

केंद्रीकृत भंडारण

अपरिवर्तनीय डेटा श्रृंखला

उपयोगकर्ता गोपनीयता

Adda247

Adda247 GET IT ON Google Play

Q.No: 13	**दिए गए अनुच्छेद से उस पर आधारित प्रश्नों के उत्तर दें:** ब्लॉकचेन (Blockchain) एक डिजिटल प्रौद्योगिकी है, जिसमें सूचना को एक श्रृंखलाबद्ध ढंग से सुरक्षित रखा जाता है। यह डेटा संरचना किसी केंद्रीय सर्वर पर निर्भर नहीं होती, बल्कि यह विकेंद्रीकृत नेटवर्क पर आधारित होती है, जहाँ हर उपयोगकर्ता एक नोड के रूप में कार्य करता है। प्रत्येक लेन-देन एक “ब्लॉक” के रूप में दर्ज होता है और पिछले ब्लॉक से जुड़कर एक अखंड और पारदर्शी श्रृंखला बनाता है। इस तकनीक का प्रमुख लाभ यह है कि इसमें एक बार दर्ज की गई जानकारी को बदला नहीं जा सकता, जिससे यह धोखाधड़ी-रोधी और भरोसेमंद प्रणाली बन जाती है। ब्लॉकचेन का उपयोग अब केवल क्रिप्टोकरेंसी तक सीमित नहीं है, बल्कि इसे चुनावी प्रणाली, आपूर्ति श्रृंखला प्रबंधन, स्वास्थ्य डेटा सुरक्षा, और डिजिटल पहचान जैसे क्षेत्रों में भी उपयोग किया जा रहा है। हालांकि ब्लॉकचेन की संभावनाएँ असीम हैं, परंतु इससे जुड़ी तकनीकी जटिलता, ऊर्जा खपत, और नियामकीय अस्पष्टता इसके व्यापक प्रयोग में बाधा बन रही है। भारत सरकार भी अब ब्लॉकचेन आधारित पायलट प्रोजेक्ट्स पर कार्य कर रही है, ताकि यह तकनीक शासन और सार्वजनिक सेवाओं में पारदर्शिता और सुरक्षा ला सके। "विकेंद्रीकरण" का ब्लॉकचेन में क्या तात्पर्य है?
डेटा केवल एक सरकारी सर्वर पर रखा जाए	
सभी जानकारी निजी कंपनी के पास हो	
डेटा को अनेक नोड्स में वितरित करना	
डेटा ऑफलाइन सुरक्षित रखना	

Q.No: 14	**दिए गए अनुच्छेद से उस पर आधारित प्रश्नों के उत्तर दें:** ब्लॉकचेन (Blockchain) एक डिजिटल प्रौद्योगिकी है, जिसमें सूचना को एक श्रृंखलाबद्ध ढंग से सुरक्षित रखा जाता है। यह डेटा संरचना किसी केंद्रीय सर्वर पर निर्भर नहीं होती, बल्कि यह विकेंद्रीकृत नेटवर्क पर आधारित होती है, जहाँ हर उपयोगकर्ता एक नोड के रूप में कार्य करता है। प्रत्येक लेन-देन एक “ब्लॉक” के रूप में दर्ज होता है और पिछले ब्लॉक से जुड़कर एक अखंड और पारदर्शी श्रृंखला बनाता है। इस तकनीक का प्रमुख लाभ यह है कि इसमें एक बार दर्ज की गई जानकारी को बदला नहीं जा सकता, जिससे यह धोखाधड़ी-रोधी और भरोसेमंद प्रणाली बन जाती है। ब्लॉकचेन का उपयोग अब केवल क्रिप्टोकरेंसी तक सीमित नहीं है, बल्कि इसे चुनावी प्रणाली, आपूर्ति श्रृंखला प्रबंधन, स्वास्थ्य डेटा सुरक्षा, और डिजिटल पहचान जैसे क्षेत्रों में भी उपयोग किया जा रहा है। हालांकि ब्लॉकचेन की संभावनाएँ असीम हैं, परंतु इससे जुड़ी तकनीकी जटिलता, ऊर्जा खपत, और नियामकीय अस्पष्टता इसके व्यापक प्रयोग में बाधा बन रही है। भारत सरकार भी अब ब्लॉकचेन आधारित पायलट प्रोजेक्ट्स पर कार्य कर रही है, ताकि यह तकनीक शासन और सार्वजनिक सेवाओं में पारदर्शिता और सुरक्षा ला सके। निम्न में से कौन-सा ब्लॉकचेन तकनीक का पारंपरिक उपयोग नहीं है?
क्रिप्टोकरेंसी	
आपूर्ति श्रृंखला प्रबंधन	
सरकारी पेंशन वितरण	
पारंपरिक कृषि उपकरण	

Q.No: 15	**दिए गए अनुच्छेद से उस पर आधारित प्रश्नों के उत्तर दें:** ब्लॉकचेन (Blockchain) एक डिजिटल प्रौद्योगिकी है, जिसमें सूचना को एक श्रृंखलाबद्ध ढंग से सुरक्षित रखा जाता है। यह डेटा संरचना किसी केंद्रीय सर्वर पर निर्भर नहीं होती, बल्कि यह विकेंद्रीकृत नेटवर्क पर आधारित होती है, जहाँ हर उपयोगकर्ता एक नोड के रूप में कार्य करता है। प्रत्येक लेन-देन एक “ब्लॉक” के रूप में दर्ज होता है और पिछले ब्लॉक से जुड़कर एक अखंड और पारदर्शी श्रृंखला बनाता है। इस तकनीक का प्रमुख लाभ यह है कि इसमें एक बार दर्ज की गई जानकारी को बदला नहीं जा सकता, जिससे यह धोखाधड़ी-रोधी और भरोसेमंद प्रणाली बन जाती है। ब्लॉकचेन का उपयोग अब केवल क्रिप्टोकरेंसी तक सीमित नहीं है, बल्कि इसे चुनावी प्रणाली, आपूर्ति श्रृंखला प्रबंधन, स्वास्थ्य डेटा सुरक्षा, और डिजिटल पहचान जैसे क्षेत्रों में भी उपयोग किया जा रहा है। हालांकि ब्लॉकचेन की संभावनाएँ असीम हैं, परंतु इससे जुड़ी तकनीकी जटिलता, ऊर्जा खपत, और नियामकीय अस्पष्टता इसके व्यापक प्रयोग में बाधा बन रही है। भारत सरकार भी अब ब्लॉकचेन आधारित पायलट प्रोजेक्ट्स पर कार्य कर रही है, ताकि यह तकनीक शासन और सार्वजनिक सेवाओं में पारदर्शिता और सुरक्षा ला सके। ब्लॉकचेन की जटिलता को बढ़ाने वाला प्रमुख कारक क्या है?
इसकी बहुभाषी संरचना	
ऊर्जा खपत और तकनीकी ढांचा	

केवल सरकारी अनुमति

केवल ऑनलाइन उपस्थिति

Q.No: 16 **दिए गए अनुच्छेद से उस पर आधारित प्रश्नों के उत्तर दें:**

ब्लॉकचेन (Blockchain) एक डिजिटल प्रौद्योगिकी है, जिसमें सूचना को एक श्रृंखलाबद्ध ढंग से सुरक्षित रखा जाता है। यह डेटा संरचना किसी केंद्रीय सर्वर पर निर्भर नहीं होती, बल्कि यह विकेंद्रीकृत नेटवर्क पर आधारित होती है, जहाँ हर उपयोगकर्ता एक नोड के रूप में कार्य करता है। प्रत्येक लेन-देन एक "ब्लॉक" के रूप में दर्ज होता है और पिछले ब्लॉक से जुड़कर एक अखंड और पारदर्शी श्रृंखला बनाता है।

इस तकनीक का प्रमुख लाभ यह है कि इसमें एक बार दर्ज की गई जानकारी को बदला नहीं जा सकता, जिससे यह धोखाधड़ी-रोधी और भरोसेमंद प्रणाली बन जाती है। ब्लॉकचेन का उपयोग अब केवल क्रिप्टोकरेंसी तक सीमित नहीं है, बल्कि इसे चुनावी प्रणाली, आपूर्ति श्रृंखला प्रबंधन, स्वास्थ्य डेटा सुरक्षा, और डिजिटल पहचान जैसे क्षेत्रों में भी उपयोग किया जा रहा है।

हालांकि ब्लॉकचेन की संभावनाएँ असीम हैं, परंतु इससे जुड़ी तकनीकी जटिलता, ऊर्जा खपत, और नियामकीय अस्पष्टता इसके व्यापक प्रयोग में बाधा बन रही है। भारत सरकार भी अब ब्लॉकचेन आधारित पायलट प्रोजेक्ट्स पर कार्य कर रही है, ताकि यह तकनीक शासन और सार्वजनिक सेवाओं में पारदर्शिता और सुरक्षा ला सके।

भारत सरकार द्वारा ब्लॉकचेन का उपयोग किन उद्देश्यों के लिए किया जा रहा है?

खेलों में स्कोर गिनने के लिए

डिजिटल पहचान और पारदर्शिता लाने के लिए

केवल बैंकिंग लेन-देन के लिए

राष्ट्रीय गीत संग्रह के लिए

Q.No: 17 **दिए गए अनुच्छेद से उस पर आधारित प्रश्नों के उत्तर दें:**

भारत का भूगर्भीय स्वरूप अत्यंत जटिल, बहुरूपी और वैज्ञानिक दृष्टि से महत्त्वपूर्ण है। इस देश की भौगोलिक रचना में पर्वत, पठार, मैदान, मरुस्थल और तटीय क्षेत्र सम्मिलित हैं, जो इसे प्रकृति की दृष्टि से एक समृद्ध राष्ट्र बनाते हैं। देश की कुल भूमि का लगभग 43% भाग पठारी है, जिनमें विंध्य, सतपुड़ा और दक्कन पठार जैसे क्षेत्र प्रमुख हैं। ये पठारी क्षेत्र खनिज संपदा के लिए जाने जाते हैं। दूसरी ओर, 23% भूमि मैदानी क्षेत्र है जो मुख्यत: गंगा और ब्रह्मपुत्र जैसी नदियों द्वारा लाए गए जलोढ़ निक्षेप से बनी है और अत्यंत उपजाऊ मानी जाती है।

भारत का 10.7% भूभाग वनाच्छादित है, जो न केवल पारिस्थितिकी संतुलन बनाए रखने में सहायक है बल्कि जैव विविधता और मानसून नियंत्रण में भी भूमिका निभाता है। मध्य प्रदेश वन क्षेत्र की दृष्टि से देश में अग्रणी है, जहाँ सघन जंगल और राष्ट्रीय उद्यान स्थित हैं।

गंगा, यमुना, ब्रह्मपुत्र और गोदावरी जैसी नदियाँ भारत की कृषि व्यवस्था की रीढ़ हैं। ये नदियाँ न केवल सिंचाई के लिए जल प्रदान करती हैं, बल्कि जनसंख्या की जलापूर्ति और जलविद्युत उत्पादन में भी सहायक हैं। जलवायु, कृषि, जीवनशैली और लोकसंस्कृति—इन सभी पर इन नदियों का गहरा प्रभाव पड़ा है।

भारतीय उपमहाद्वीप को तीन प्रमुख भूगर्भीय खंडों में बाँटा गया है—

हिमालय पर्वतीय क्षेत्र: यह भारत के उत्तर में स्थित है और बर्फ से आच्छादित शृंखलाएँ तथा जलवायु नियंत्रण की प्रमुख भूमिका निभाता है।

उत्तरी मैदानी क्षेत्र: यह गंगा और ब्रह्मपुत्र के जलोढ़ मैदान हैं, जो कृषि के लिए अत्यंत उपयुक्त हैं।

दक्कन का पठार: यह प्राचीन चट्टानों से बना दक्षिण भारत का हिस्सा है, जो खनिज, ऊर्जा और वन संपदा से भरपूर है।

इन भूगर्भीय संरचनाओं का भारत की जलवायु, कृषि व्यवस्था और जैव विविधता पर गहरा प्रभाव पड़ता है। उदाहरण के लिए, हिमालय पर्वत उत्तर दिशा से आने वाली ठंडी शीत हवाओं को रोकता है, जिससे भारत की जलवायु अपेक्षाकृत सम बनी रहती है — न ही अत्यधिक ठंड और न ही अत्यधिक गर्मी का प्रभाव पूरे देश में होता है। इसी प्रकार, पठारी और मैदानी क्षेत्रों का मिश्रण भारत को जल, खनिज, ऊर्जा और कृषि की दृष्टि से विविधतापूर्ण संसाधन प्रदान करता है।

भारत की कुल भूमि का लगभग कितना प्रतिशत पठारी क्षेत्र है?

23%

10.7%

43%

61%

Adda247 GET IT ON Google Play

Q.No: 18 **दिए गए अनुच्छेद से उस पर आधारित प्रश्नों के उत्तर दें:**

भारत का भूगर्भीय स्वरूप अत्यंत जटिल, बहुरूपी और वैज्ञानिक दृष्टि से महत्त्वपूर्ण है। इस देश की भौगोलिक रचना में पर्वत, पठार, मैदान, मरुस्थल और तटीय क्षेत्र सम्मिलित हैं, जो इसे प्रकृति की दृष्टि से एक समृद्ध राष्ट्र बनाते हैं। देश की कुल भूमि का लगभग 43% भाग पठारी है, जिनमें विंध्य, सतपुड़ा और दक्कन पठार जैसे क्षेत्र प्रमुख हैं। ये पठारी क्षेत्र खनिज संपदा के लिए जाने जाते हैं। दूसरी ओर, 23% भूमि मैदानी क्षेत्र है जो मुख्यतः गंगा और ब्रह्मपुत्र जैसी नदियों द्वारा लाए गए जलोढ़ निक्षेप से बनी है और अत्यंत उपजाऊ मानी जाती है।

भारत का 10.7% भूभाग वनाच्छादित है, जो न केवल पारिस्थितिकी संतुलन बनाए रखने में सहायक है बल्कि जैव विविधता और मानसून नियंत्रण में भी भूमिका निभाता है। मध्य प्रदेश वन क्षेत्र की दृष्टि से देश में अग्रणी है, जहाँ सघन जंगल और राष्ट्रीय उद्यान स्थित हैं।

गंगा, यमुना, ब्रह्मपुत्र और गोदावरी जैसी नदियाँ भारत की कृषि व्यवस्था की रीढ़ हैं। ये नदियाँ न केवल सिंचाई के लिए जल प्रदान करती हैं, बल्कि जनसंख्या की जलापूर्ति और जलविद्युत उत्पादन में भी सहायक हैं। जलवायु, कृषि, जीवनशैली और लोकसंस्कृति—इन सभी पर इन नदियों का गहरा प्रभाव पड़ा है।

भारतीय उपमहाद्वीप को तीन प्रमुख भूगर्भीय खंडों में बाँटा गया है—

हिमालय पर्वतीय क्षेत्र: यह भारत के उत्तर में स्थित है और बर्फ से आच्छादित शृंखलाएँ तथा जलवायु नियंत्रण की प्रमुख भूमिका निभाता है।

उत्तरी मैदानी क्षेत्र: यह गंगा और ब्रह्मपुत्र के जलोढ़ मैदान हैं, जो कृषि के लिए अत्यंत उपयुक्त हैं।

दक्कन का पठार: यह प्राचीन चट्टानों से बना दक्षिण भारत का हिस्सा है, जो खनिज, ऊर्जा और वन संपदा से भरपूर है।

इन भूगर्भीय संरचनाओं का भारत की जलवायु, कृषि व्यवस्था और जैव विविधता पर गहरा प्रभाव पड़ता है। उदाहरण के लिए, हिमालय पर्वत उत्तर दिशा से आने वाली ठंडी शीत हवाओं को रोकता है, जिससे भारत की जलवायु अपेक्षाकृत सम बनी रहती है — न ही अत्यधिक ठंड और न ही अत्यधिक गर्मी का प्रभाव पूरे देश में होता है। इसी प्रकार, पठारी और मैदानी क्षेत्रों का मिश्रण भारत को जल, खनिज, ऊर्जा और कृषि की दृष्टि से विविधतापूर्ण संसाधन प्रदान करता है।

गंगा और ब्रह्मपुत्र नदियों द्वारा निर्मित मैदानों को क्या कहा जाता है?

मरुस्थल

पठार

जलोढ़ मैदान

तटीय क्षेत्र

Q.No: 19 **दिए गए अनुच्छेद से उस पर आधारित प्रश्नों के उत्तर दें:**

भारत का भूगर्भीय स्वरूप अत्यंत जटिल, बहुरूपी और वैज्ञानिक दृष्टि से महत्त्वपूर्ण है। इस देश की भौगोलिक रचना में पर्वत, पठार, मैदान, मरुस्थल और तटीय क्षेत्र सम्मिलित हैं, जो इसे प्रकृति की दृष्टि से एक समृद्ध राष्ट्र बनाते हैं। देश की कुल भूमि का लगभग 43% भाग पठारी है, जिनमें विंध्य, सतपुड़ा और दक्कन पठार जैसे क्षेत्र प्रमुख हैं। ये पठारी क्षेत्र खनिज संपदा के लिए जाने जाते हैं। दूसरी ओर, 23% भूमि मैदानी क्षेत्र है जो मुख्यतः गंगा और ब्रह्मपुत्र जैसी नदियों द्वारा लाए गए जलोढ़ निक्षेप से बनी है और अत्यंत उपजाऊ मानी जाती है।

भारत का 10.7% भूभाग वनाच्छादित है, जो न केवल पारिस्थितिकी संतुलन बनाए रखने में सहायक है बल्कि जैव विविधता और मानसून नियंत्रण में भी भूमिका निभाता है। मध्य प्रदेश वन क्षेत्र की दृष्टि से देश में अग्रणी है, जहाँ सघन जंगल और राष्ट्रीय उद्यान स्थित हैं।

गंगा, यमुना, ब्रह्मपुत्र और गोदावरी जैसी नदियाँ भारत की कृषि व्यवस्था की रीढ़ हैं। ये नदियाँ न केवल सिंचाई के लिए जल प्रदान करती हैं, बल्कि जनसंख्या की जलापूर्ति और जलविद्युत उत्पादन में भी सहायक हैं। जलवायु, कृषि, जीवनशैली और लोकसंस्कृति—इन सभी पर इन नदियों का गहरा प्रभाव पड़ा है।

भारतीय उपमहाद्वीप को तीन प्रमुख भूगर्भीय खंडों में बाँटा गया है—

हिमालय पर्वतीय क्षेत्र: यह भारत के उत्तर में स्थित है और बर्फ से आच्छादित शृंखलाएँ तथा जलवायु नियंत्रण की प्रमुख भूमिका निभाता है।

उत्तरी मैदानी क्षेत्र: यह गंगा और ब्रह्मपुत्र के जलोढ़ मैदान हैं, जो कृषि के लिए अत्यंत उपयुक्त हैं।

दक्कन का पठार: यह प्राचीन चट्टानों से बना दक्षिण भारत का हिस्सा है, जो खनिज, ऊर्जा और वन संपदा से भरपूर है।

इन भूगर्भीय संरचनाओं का भारत की जलवायु, कृषि व्यवस्था और जैव विविधता पर गहरा प्रभाव पड़ता है। उदाहरण के लिए, हिमालय पर्वत उत्तर दिशा से आने वाली ठंडी शीत हवाओं को रोकता है, जिससे भारत की जलवायु अपेक्षाकृत सम बनी रहती है — न ही अत्यधिक ठंड और न ही अत्यधिक गर्मी का प्रभाव पूरे देश में होता है। इसी प्रकार, पठारी और मैदानी क्षेत्रों का मिश्रण भारत को जल, खनिज, ऊर्जा और कृषि की दृष्टि से विविधतापूर्ण संसाधन प्रदान करता है।

भारत में सर्वाधिक वन क्षेत्र किस राज्य में स्थित है?

असम

मध्य प्रदेश

झारखंड

केरल

Adda247 GET IT ON Google Play

Q.No: 20 **दिए गए अनुच्छेद से उस पर आधारित प्रश्नों के उत्तर दें:**

भारत का भूगर्भीय स्वरूप अत्यंत जटिल, बहुरूपी और वैज्ञानिक दृष्टि से महत्त्वपूर्ण है। इस देश की भौगोलिक रचना में पर्वत, पठार, मैदान, मरुस्थल और तटीय क्षेत्र सम्मिलित हैं, जो इसे प्रकृति की दृष्टि से एक समृद्ध राष्ट्र बनाते हैं। देश की कुल भूमि का लगभग 43% भाग पठारी है, जिनमें विंध्य, सतपुड़ा और दक्कन पठार जैसे क्षेत्र प्रमुख हैं। ये पठारी क्षेत्र खनिज संपदा के लिए जाने जाते हैं। दूसरी ओर, 23% भूमि मैदानी क्षेत्र है जो मुख्यतः गंगा और ब्रह्मपुत्र जैसी नदियों द्वारा लाए गए जलोढ़ निक्षेप से बनी है और अत्यंत उपजाऊ मानी जाती है।
भारत का 10.7% भूभाग वनाच्छादित है, जो न केवल पारिस्थितिकी संतुलन बनाए रखने में सहायक है बल्कि जैव विविधता और मानसून नियंत्रण में भी भूमिका निभाता है। मध्य प्रदेश वन क्षेत्र की दृष्टि से देश में अग्रणी है, जहाँ सघन जंगल और राष्ट्रीय उद्यान स्थित हैं।
गंगा, यमुना, ब्रह्मपुत्र और गोदावरी जैसी नदियाँ भारत की कृषि व्यवस्था की रीढ़ हैं। ये नदियाँ न केवल सिंचाई के लिए जल प्रदान करती हैं, बल्कि जनसंख्या की जलापूर्ति और जलविद्युत उत्पादन में भी सहायक हैं। जलवायु, कृषि, जीवनशैली और लोकसंस्कृति—इन सभी पर इन नदियों का गहरा प्रभाव पड़ा है।
भारतीय उपमहाद्वीप को तीन प्रमुख भूगर्भीय खंडों में बाँटा गया है—
हिमालय पर्वतीय क्षेत्र: यह भारत के उत्तर में स्थित है और बर्फ से आच्छादित शृंखलाएँ तथा जलवायु नियंत्रण की प्रमुख भूमिका निभाता है।
उत्तरी मैदानी क्षेत्र: यह गंगा और ब्रह्मपुत्र के जलोढ़ मैदान हैं, जो कृषि के लिए अत्यंत उपयुक्त हैं।
दक्कन का पठार: यह प्राचीन चट्टानों से बना दक्षिण भारत का हिस्सा है, जो खनिज, ऊर्जा और वन संपदा से भरपूर है।
इन भूगर्भीय संरचनाओं का भारत की जलवायु, कृषि व्यवस्था और जैव विविधता पर गहरा प्रभाव पड़ता है। उदाहरण के लिए, हिमालय पर्वत उत्तर दिशा से आने वाली ठंडी शीत हवाओं को रोकता है, जिससे भारत की जलवायु अपेक्षाकृत सम बनी रहती है — न ही अत्यधिक ठंड और न ही अत्यधिक गर्मी का प्रभाव पूरे देश में होता है। इसी प्रकार, पठारी और मैदानी क्षेत्रों का मिश्रण भारत को जल, खनिज, ऊर्जा और कृषि की दृष्टि से विविधतापूर्ण संसाधन प्रदान करता है।

हिमालय का भारत की जलवायु पर प्रमुख प्रभाव क्या है?

मानसून को रोकता है

वर्षा को बढ़ाता है

ठंडी हवाओं को रोककर जलवायु को सम बनाता है

रेगिस्तान का विस्तार करता है

Q.No: 21 **दिए गए अनुच्छेद से उस पर आधारित प्रश्नों के उत्तर दें:**

भारत का भूगर्भीय स्वरूप अत्यंत जटिल, बहुरूपी और वैज्ञानिक दृष्टि से महत्त्वपूर्ण है। इस देश की भौगोलिक रचना में पर्वत, पठार, मैदान, मरुस्थल और तटीय क्षेत्र सम्मिलित हैं, जो इसे प्रकृति की दृष्टि से एक समृद्ध राष्ट्र बनाते हैं। देश की कुल भूमि का लगभग 43% भाग पठारी है, जिनमें विंध्य, सतपुड़ा और दक्कन पठार जैसे क्षेत्र प्रमुख हैं। ये पठारी क्षेत्र खनिज संपदा के लिए जाने जाते हैं। दूसरी ओर, 23% भूमि मैदानी क्षेत्र है जो मुख्यतः गंगा और ब्रह्मपुत्र जैसी नदियों द्वारा लाए गए जलोढ़ निक्षेप से बनी है और अत्यंत उपजाऊ मानी जाती है।
भारत का 10.7% भूभाग वनाच्छादित है, जो न केवल पारिस्थितिकी संतुलन बनाए रखने में सहायक है बल्कि जैव विविधता और मानसून नियंत्रण में भी भूमिका निभाता है। मध्य प्रदेश वन क्षेत्र की दृष्टि से देश में अग्रणी है, जहाँ सघन जंगल और राष्ट्रीय उद्यान स्थित हैं।
गंगा, यमुना, ब्रह्मपुत्र और गोदावरी जैसी नदियाँ भारत की कृषि व्यवस्था की रीढ़ हैं। ये नदियाँ न केवल सिंचाई के लिए जल प्रदान करती हैं, बल्कि जनसंख्या की जलापूर्ति और जलविद्युत उत्पादन में भी सहायक हैं। जलवायु, कृषि, जीवनशैली और लोकसंस्कृति—इन सभी पर इन नदियों का गहरा प्रभाव पड़ा है।
भारतीय उपमहाद्वीप को तीन प्रमुख भूगर्भीय खंडों में बाँटा गया है—
हिमालय पर्वतीय क्षेत्र: यह भारत के उत्तर में स्थित है और बर्फ से आच्छादित शृंखलाएँ तथा जलवायु नियंत्रण की प्रमुख भूमिका निभाता है।
उत्तरी मैदानी क्षेत्र: यह गंगा और ब्रह्मपुत्र के जलोढ़ मैदान हैं, जो कृषि के लिए अत्यंत उपयुक्त हैं।
दक्कन का पठार: यह प्राचीन चट्टानों से बना दक्षिण भारत का हिस्सा है, जो खनिज, ऊर्जा और वन संपदा से भरपूर है।
इन भूगर्भीय संरचनाओं का भारत की जलवायु, कृषि व्यवस्था और जैव विविधता पर गहरा प्रभाव पड़ता है। उदाहरण के लिए, हिमालय पर्वत उत्तर दिशा से आने वाली ठंडी शीत हवाओं को रोकता है, जिससे भारत की जलवायु अपेक्षाकृत सम बनी रहती है — न ही अत्यधिक ठंड और न ही अत्यधिक गर्मी का प्रभाव पूरे देश में होता है। इसी प्रकार, पठारी और मैदानी क्षेत्रों का मिश्रण भारत को जल, खनिज, ऊर्जा और कृषि की दृष्टि से विविधतापूर्ण संसाधन प्रदान करता है।

निम्न में से कौन-से तीन प्रमुख भूगर्भीय खंड भारत में पाए जाते हैं?

गंगा, गोदावरी, यमुना

मैदान, तट, द्वीप

हिमालय, उत्तरी मैदान, दक्कन पठार

विंध्य, सतपुड़ा, गारो

Q.No: 22 **'चंद्रमा'** के लिए निम्न में से सबसे दुर्लभ पर्यायवाची क्या है?

सहस्रांशु

सोमराज
इन्दु
निशापति

Q.No: 23	अपूर्णविराम का एक अन्य नाम क्या है?
अर्द्धविराम	
पूर्णविराम	
अल्पविराम	
उपविराम	

Q.No: 24	**'काल'** शब्द का एक अर्थ **'समय'** है। इसका एक अन्य सूक्ष्म अर्थ है:
भूत	
मृत्यु	
वर्तमान	
भविष्य	

Q.No: 25	निम्नलिखित में से सरल वाक्य पहचानिए:
सुबह का सूरज आकाश में तेज़ी से चमक रहा है	
मैं खाना खाता हूँ और टीवी देखता हूँ।	
वह दौड़ा क्योंकि ट्रेन छूट रही थी।	
जब मैं आया, तब तुम सो रहे थे।	

Q.No: 26	**'आकाश'** के लिए निम्न में से शास्त्रीय पर्यायवाची कौन-सा है?
अन्तरिक्ष	
व्योम	
नभ	
गगन	

Q.No: 27	संयुक्त वाक्य की पहचान कीजिए:
वह आया, पर उसने कुछ नहीं कहा।	
मैं बाजार गया।	
सूरज निकल रहा है।	

Adda247 GET IT ON Google Play

बच्चा खेल रहा है।

Q.No: 28	**पूर्वाग्रह-मुक्त वाक्य का चयन करें:** "उनकी भाषा बहुत पिछड़ी हुई है, समझ नहीं आती।"

गाँव वाले ऐसी ही बोलते हैं।

वो तो अनपढ़ों की भाषा है।

उनकी भाषा तो गड़बड़ है।

उनकी भाषा की संरचना अलग है, समझने की आवश्यकता है।

Q.No: 29	**'गति'** शब्द का एक अर्थ **'चलन'** है। इसका दूसरा अर्थ नहीं है?

मृत्यु

दशा

समाधान

ग्रहण

Not Answered

Q.No: 30	केंद्रीय हिंदी निदेशालय द्वारा निर्धारित मानक वर्तनी के अनुसार, किस वाक्य में **शुद्ध** वर्तनी वाले शब्द का प्रयोग हुआ है?

मौर्य **सामराज्य** का विस्तार बहुत बड़ा था।

प्रसिद्ध **कवित्री** ने अपनी नवीनतम रचना सुनाई।

देश के आर्थिक **पुनरुत्थान** के लिए नए प्रयास किए जा रहे हैं।

भारतीय साहित्य में प्राचीन **वांग्मय** का विशेष स्थान है।

Q.No: 31	मिश्र वाक्य का उदाहरण चुनिए:

अगर वह आएगा, तो हम मिलेंगे।

बच्चे खेलते हैं।

सूरज चमक रहा है।

वह पढ़ रहा है।

Q.No: 32	निम्नलिखित में से कौन-सा वाक्य संयुक्त वाक्य नहीं है?

सूरज डूब रहा है और चाँद निकल रहा है।

बच्चे स्कूल जाते हैं।

मैं पढ़ता हूँ, और वह खेलता है।

Adda247

Adda247 GET IT ON Google Play

वह आया लेकिन कुछ नहीं कहा।

Q.No: 33	प्रशासनिक शब्द 'समायोजन' के लिए उपयुक्त अंग्रेजी शब्द क्या होगा?
Explanation	
Adjustment	
Deduction	
Agreement	

Q.No: 34	किस वाक्य में विशेषण का प्रयोग हुआ है?
वे कल बाजार जाएंगे।	
वह धीरे-धीरे चलता है।	
मेरा कुत्ता बहुत वफादार है।	
रमेश गाना गाता है।	

Q.No: 35	पारिभाषिक शब्द 'स्वीकृति' के लिए उपयुक्त अंग्रेजी शब्द क्या होगा?
Adjourn	
Agrarian	
Agenda	
Acknowledgement	

Adda247

Q.No: 36	निम्नलिखित में से कौन-सा शब्द **'अवनि'** का समानार्थी **नहीं** है?
धरा	
पृथ्वी	
अंबर	
भूमि	

Q.No: 37	निम्न में से कौन-सा एक शब्द शुद्ध है?
प्राय	
निश्काम	
वेशभूषा	
अस्क	

Q.No: 38	'Per mensem' अभिव्यक्ति के लिए हिंदी में उपयुक्त शब्द क्या होगा?
प्रतिदिन	
प्रतिशत	
प्रतिमास	
प्रतिमान	

Q.No: 39	पारिभाषिक शब्द 'Cadre' का उपयुक्त हिंदी अर्थ क्या है?
एकमत	
सभा	
पूँजी	
संवर्ग	

Q.No: 40	निम्नलिखित में से कौन-सा वाक्य सरल वाक्य है?
राम ने कहा कि वह आएगा।	
राम पढ़ाई करता है और खेलता है।	
यदि वह आएगा तो हम मिलेंगे।	
राम स्कूल गया।	

Q.No: 41	निम्नलिखित में से कौन-सा शब्द **'आश्रित'** का उपयुक्त विलोम क्या होगा?
निर्भर	
सेवक	
संपन्न	
स्वतंत्र	

Q.No: 42	'धन्यवाद प्रस्ताव' अभिव्यक्ति का अंग्रेजी में शब्द क्या होगा?
Motion of thanks	
Motion of adjournment	
Motion of moved	
Motion of consideration	

Q.No: 43	**निम्नलिखित वाक्य में क्रिया का प्रकार और क्रिया विशेषण का प्रकार पहचानें:** "दादी जी रोज सुबह मंदिर जाती हैं।"
अकर्मक क्रिया, स्थानवाचक क्रिया विशेषण	

Adda247

Adda247
GET IT ON Google Play

सकर्मक क्रिया, स्थानवाचक क्रिया विशेषण

अकर्मक क्रिया, कालवाचक क्रिया विशेषण

सकर्मक क्रिया, कालवाचक क्रिया विशेषण

Not Answered

Q.No: 44 "प्रावधान" शब्द किस सन्दर्भ में प्रयोग होता है?

कानूनी प्रक्रिया

अनुबंध

नियम

लिखित आदेश

Q.No: 45 प्रशासनिक शब्द 'प्रतिनियुक्ति' के लिए उपयुक्त अंग्रेजी शब्द क्या होगा?

Implementation

Provision

Deputation

Declaration

Q.No: 46 **"हमने नौकरों को निर्देश दिए।"**
इस वाक्य का पूर्वाग्रह-मुक्त विकल्प क्या हो सकता है?

हमने घरेलू सहायकों को निर्देश दिए।

हमने सेवकों को आदेश दिए।

हमने कार्यकर्ताओं को तैनात किया।

हमने मजदूरों को समझाया।

Adda247

Q.No: 47 'तुम कैसे हो__' में उपयुक्त विराम चिन्ह चुनिए।

,

?

।

!

Q.No: 48 "निर्णयन प्राधिकार" शब्द का प्रयोग किस स्तर की प्रशासनिक प्रक्रिया में होता है?

नीतिगत विवेकाधिकार

वित्तीय लेखा परीक्षण

Adda247 GET IT ON Google Play

लेखांकन समीक्षा

सूचना प्रस्तुति

Not Answered

Q.No: 49	**'वायु'** के लिए दार्शनिक पर्यायवाची शब्द क्या है?

मारुत

अनिल

समीर

वात

Q.No: 50	'वाह! क्या सुंदर दृश्य है__' में रिक्त स्थान पर उपयुक्त विराम चिन्ह है?

?

!

।

,

Q.No: 51	कौन-सा वाक्य स्थानीयकरण की भावना के **विपरीत** है?

वह रेलगाड़ी से सफर करता है।

उसने ट्रेन की टिकट ली और ट्रेन पकड़ी।

उसने लोकल से यात्रा की।

उसने टिकट लिया और रेलगाड़ी में चढ़ा।

Adda247

Q.No: 52	अर्थशास्त्र में '**मांग**' शब्द का विशेष अर्थ क्या है?

आवश्यकता

वस्तु की कमी

इच्छा

किसी वस्तु की खरीदने की इच्छा, क्षमता और तत्परता

Q.No: 53	**"पुस्तक गूँगे बहरे के लिए नहीं थी।"** वाक्य को पूर्वाग्रह-मुक्त कैसे बनाया जा सकता है?

पुस्तक विशेष योग्यताओं के अनुसार बनाई गई थी।

पुस्तक सभी के लिए सुलभ नहीं थी।

वह किताब कुछ खास लोगों के लिए थी।

Adda247 GET IT ON Google Play

यह किताब केवल सुनने वालों के लिए थी।

Q.No: 54	निम्नलिखित में से कौन-सा वाक्य मिश्र वाक्य है?
जब मैं आया, तब तुम सो रहे थे।	
मैं घर गया और खाना खाया।	
वह दौड़ा और अचानक बारिश होने से वह भीग गया।	
वह पढ़ता है और खेलता है।	

Q.No: 55	निम्नलिखित में से मिश्र वाक्य नहीं है:
मैं स्कूल जाता हूँ।	
वह पढ़ता है और खेलता भी है।	
जब बारिश होती है, तो लोग घर में रहते हैं।	
अगर तुम आओगे, तो मैं भी आऊंगा।	

Q.No: 56	कौन-सा वाक्य स्थानीयकरण सिद्धांत के **विरुद्ध** है?
आप लॉगिन करने में असमर्थ हैं	
एरर! ट्राइ अगेन	
कृपया पुनः प्रयास करें	
ओह! कुछ गलत हो गया	
Not Answered	

Q.No: 57	**'कुआँ खुदवा के मेंढ़क पकड़ना'** मुहावरे का सही अर्थ क्या है?
अनजाने में किसी समस्या को बढ़ा देना	
कुआँ खोदकर मेंढकों को पकड़ना	
छोटे काम के लिए बड़ी तैयारी करना	
अत्यधिक प्रयास या निवेश करके बहुत कम या नगण्य परिणाम प्राप्त करना	

Q.No: 58	जब किसी पद की व्याख्या करनी हो या उसके संबंध में विस्तार से कुछ कहना हो तब निम्न में से किस चिन्ह का प्रयोग होता है?
योजक चिन्ह	
विवरण-चिन्ह	
निर्देशन चिन्ह	

Adda247

उद्धरण चिन्ह

Q.No: 59	“शासनादेश संख्या” किसलिए आवश्यक होती है?
गोपनीयता हेतु	
सेवा पुस्तिका हेतु	
दस्तावेज़ों की ट्रैकिंग और प्रमाण के लिए	
विभागीय बजट संकेत हेतु	
Not Answered	

Q.No: 60	**'कलश'** शब्द का एक अर्थ **'घड़ा'** है। इसका दूसरा अर्थ क्या है?
घंटा	
चोटी	
दीपक	
पूजा	
Not Answered	

Q.No: 61	"पूर्वव्यय अनुमोदन" कब आवश्यक होता है?
बजट के बाद व्यय	
नियोजन के तहत खर्च	
नियमित वेतन व्यय	
बिना पूर्व स्वीकृति खर्च होने पर	
Not Answered	

Q.No: 62	निम्नलिखित वाक्यों में से सरल वाक्य कौन-सा है?
छोटे बच्चे मैदान में खुशी से खेल रहे हैं।	
मैं पढ़ता हूँ और लिखता हूँ।	
वह खुश है क्योंकि उसे पुरस्कार मिला।	
वे बाजार गए और फल खरीदे।	

Q.No: 63	निम्नलिखित में से कौन-सा एक सरल वाक्य है?
वह मुझसे कहने लगा कि आज नहीं आ पाएगा।	
श्याम विद्यालय से आकर सो गया।	

Adda247 GET IT ON Google Play

जब राम ने देखा कि दरवाजा खुला है, तो वह अंदर चला गया।
तुम पढ़ाई करो या खेलो।

Q.No: 64	निम्न में से कौन-सा वाक्य व्यापक विशेषण (समुदायवाचक विशेषण) का उदाहरण है?
वह बहुत समझदार है।	
सभी छात्र उपस्थित थे।	
मेरा घर बड़ा है।	
कुछ फल खराब हो गए।	

Q.No: 65	'मन' के लिए निम्नलिखित में से सबसे उपयुक्त दार्शनिक पर्यायवाची क्या है?
अन्तःकरण	
आत्मा	
बुद्धि	
चेतना	

Q.No: 66	"तदनुसार कार्यवाही की जाए" – यह वाक्यांश किस प्रकार का निर्देश होता है?
टालने योग्य	
कालान्तरित	
परामर्शात्मक	
बाध्यकारी कार्यान्वयन	

Q.No: 67	'आज बहुत गर्मी है__' में उपयुक्त विराम चिन्ह कौन सा है?
।	
?	
,	
!	

Q.No: 68	**नीचे दिए गए वाक्य में प्रयुक्त मुख्य क्रिया की पहचान कीजिए:** यद्यपि वह निरंतर प्रयास करता रहा, फिर भी परिणाम अपेक्षित नहीं रहा।
रहा	
करता	
अपेक्षित	
प्रयास	

Adda247

Adda247 GET IT ON Google Play

Q.No: 69	निम्नलिखित में से कौन-सा शब्द **'अंधकार'** का समानार्थी है?
उजाला	
प्रभा	
प्रकाश	
तम।	

Q.No: 70	**"गाँव वाले अनपढ़ होते हैं।"** — यह कथन पूर्वग्रह से ग्रसित है। निम्नलिखित में से कौन-सा कथन सबसे सटीक, सम्मानजनक, और पूर्वाग्रह-मुक्त विकल्प है?
गाँव के लोगों को शिक्षा की आवश्यकता नहीं होती।	
ग्रामीण क्षेत्रों के लोग शिक्षा के प्रति उदासीन होते हैं।	
गाँवों में लोग पढ़ाई में रुचि नहीं रखते।	
कुछ ग्रामीण क्षेत्रों में शिक्षा की पहुँच अब भी सीमित है।	

Q.No: 71	'यह पुस्तक बहुत रोचक है__' में सही विराम चिन्ह चुनिए।
।	
!	
,	
?	

Q.No: 72	निम्नलिखित में से कौन-सा वाक्य पूर्वग्रह-मुक्त **नहीं** है?
जिन छात्रों के पास पर्याप्त संसाधन नहीं होते, उनकी पढ़ाई में सुधार की गुंजाइश होती है।	
आर्थिक रूप से वंचित पृष्ठभूमि से आने वाले छात्रों को अक्सर पढ़ाई में चुनौतियों का सामना करना पड़ता है।	
गरीब छात्रों को अक्सर पढ़ाई में पिछड़ते देखा गया है।	
निम्न-आय वर्ग के छात्रों की शैक्षणिक प्रगति धीमी होती है।	
Not Answered	

Q.No: 73	निम्न में से मिश्र वाक्य कौन-सा है?
जैसे ही वह आया, सब खुश हो गए।	
बच्चे पढ़ रहे हैं।	
वह दौड़ा और वह थक गया।	
मैं घर गया।	

Adda247
GET IT ON Google Play

Q.No: 74	'मुझे चाय पीने का मन कर रहा है।' इस वाक्य का कौन-सा रूपांतरण स्थानीय हिंदी में सबसे स्वाभाविक नहीं है?
मुझे चाय पीने का मनोभाव हो रहा है।	
मुझे चाय पीने का इच्छा हो रही है।	
मुझे चाय पीने का मन है।	
मुझे चाय पीने का जी कर रहा है।	

Q.No: 75	"वह धीरे-धीरे चलता है।" इस वाक्य में **'धीरे-धीरे'** कौन-सा क्रिया विशेषण है?
स्थानवाचक क्रिया विशेषण	
रीतिवाचक क्रिया विशेषण	
कालवाचक क्रिया विशेषण	
परिमाणवाचक क्रिया विशेषण	

Q.No: 76	**"अब तो इम्तिहान में भी किस्मत पास हो जाती है, मेहनत नहीं।"** — इस कथन का व्यंग्यार्थ निम्न में से कौन-सा नहीं है?
किस्मत ही असफल होने का कारण है	
आजकल सफलता में संयोग की भूमिका बढ़ गई है	
परिश्रम का महत्व घटता जा रहा है	
अब मेहनत से ज्यादा जुगाड़ काम आता है	

Q.No: 77	निम्न में से कौन-सा एक वाक्य शुद्ध है?
मैं देखा हूँ।	
मैं कानपुर गया था।	
लता दो चिट्ठी लिखी।	
यह तो मेरा पुस्तक है।	

Q.No: 78	'निम्नलिखित में से कौन-सा शब्द **'गूढ़'** (सूक्ष्म/गहरा) का विलोम क्या है?
स्पष्ट	
सरल	
प्रकट	
रहस्यमय	

Q.No: 79	निम्नलिखित में से कौन-सा वाक्य संयुक्त वाक्य है?

Adda247
GET IT ON Google Play

मैं घर गया और खाना खाया।	
वह दौड़ रहा है।	
वह खुश है क्योंकि उसे पुरस्कार मिला।	
सूरज चमक रहा है।	

Q.No: 80	“राजपत्र अधिसूचना” का प्रभाव क्या होता है?
निजी आदेश	
विधिक रूप से बाध्यकारी घोषणा।	
परामर्शात्मक होता है	
केवल सूचना हेतु	

Q.No: 81	‘सुनो, मुझे तुमसे कुछ कहना है__’ में उपयुक्त विराम चिन्ह क्या होगा?
?	
।	
!	
,	

Q.No: 82	किस वाक्य में परिणामवाचक विशेषण का प्रयोग हुआ है?
वह मेहनती छात्र है।	
खेल का मैदान लंबा है।	
इस बार बारिश में बहुत गीला मौसम था।	
परीक्षा में उत्तीर्ण छात्र खुश हैं।	

Q.No: 83	"सूर्य उदय होता है।" इस वाक्य में '**उदय होता है**' क्रिया का कौन-सा प्रकार है?
द्विकर्मक क्रिया	
प्रेरणार्थक क्रिया	
सकर्मक क्रिया	
अकर्मक क्रिया	

Q.No: 84	इनमें से कौन-सा शब्द जातिवाचक से बनी भाववाचक संज्ञा नहीं है?
दयालुता	
मित्रता	

Adda247
GET IT ON Google Play

शिक्षक	
ऊँचाई	

Q.No: 85	निम्नलिखित में से कौन-सा शब्द **'वैराग्य'** का विलोम **नहीं** है?
भोगवृत्ति	
मोह	
आसक्ति	
तपस्या	

Q.No: 86	"अधिवेशन" शब्द संसद में किसके लिए प्रयोग होता है?
मंत्रीमंडल बैठक	
संसद की बैठक का सत्र	
शपथ ग्रहण	
बजट पाठ	

Q.No: 87	पारिभाषिक शब्द 'नियोक्ता' का उपयुक्त अंग्रेजी शब्द क्या होगा?
Execution	
Ex-office	
Employer	
Endorse	

Q.No: 88	"परिकल्पित व्यय" का तात्पर्य किससे है?
अप्रत्याशित खर्च	
पिछले वर्ष का कुल खर्च	
पूंजीगत व्यय	
प्रस्तावित अनुमानित खर्च	
Not Answered	

Q.No: 89	"अवलोकन" शब्द का तात्पर्य है –
कार्य का निष्कर्ष	
साधारण देखने की प्रक्रिया	
गहन परीक्षण	
निर्देश देना	

Adda247

Q.No: 90	निम्नलिखित में से कौन-सा शब्द **'विग्रह'** का विलोम है?
कलह	
युद्ध	
विवाद	
संधि	

Q.No: 91	"दस्तावेज़" का प्रयोग किसके लिए किया जाता है?
जनसंपर्क	
मौखिक साक्ष्य	
आदेश	
लिखित प्रमाण	

Q.No: 92	निम्नलिखित में से कौन-सा शब्द **'तिमिर'** का समानार्थी शब्द है?
प्रकाश	
अंधियारा	
ज्योति	
चमक	

Q.No: 93	**'सारंग'** शब्द का वह अर्थ चुनिए जो सामान्यत: कम ज्ञात है:
संगीत राग	
दीपक	
हाथी	
बादल	

Q.No: 94	'माँ ने बच्चे को कहानी सुनाई।' वाक्य में '**बच्चे को**' कौन-सा कारक है?
करण	
अपादान	
कर्म	
संबोधन	

Q.No: 95	'अक्षय' का अर्थ क्या है?
कमज़ोर	

Adda247 GET IT ON Google Play

असीमित
समाप्त
सीमित

Q.No: 96	'निम्नलिखित में से कौन-सा शब्द **'अमर'** का समानार्थी है ?
अविनाशी	
नश्वर	
अजर	
प्राचीन	

Q.No: 97	प्रशासनिक शब्द 'प्रदर्शन' के लिए उपयुक्त अंग्रेजी शब्द क्या होगा?
Demonstration	
Balance Sheet	
After issue	
Indenter	

Q.No: 98	निम्न में से कौन-सा एक शब्द शुद्ध है?
नुपुर	
अनूदित	
संसारिक	
बदाम	

Q.No: 99	निम्नलिखित में से कौन-सा वाक्य भारतीय हिंदी के स्थानीय और व्याकरणिक संदर्भ में सर्वाधिक स्वाभाविक **नहीं** है?
इस भवन का उद्घाटन मुख्यमंत्री द्वारा ही किया गया।	
इस भवन का उद्घाटन मुख्यमंत्री द्वारा किया गया।	
इस भवन का उद्घाटन मुख्यमंत्री ने किया।	
इस भवन का उद्घाटन मुख्यमंत्री द्वारा संपन्न हुआ।	

Q.No: 100	निम्नलिखित में से कौन-सा शब्द **'विहग'** का समानार्थी शब्द क्या है?
पक्षी	
कीड़ा	
पशु	
मछली	

Adda247

GET IT ON Google Play